दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स छत्तीसगढ़

जून (संग्रह)

2022

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

छत्तीसगढ़ **3**

- रायपुर विकास योजना, 2031 3
- देश के सबसे कम बेरोज़गारी दर वाले राज्यों में छत्तीसगढ़ एक बार फिर अव्वल 3
- आज़ादी से अंत्योदय विशेष अभियान 4
- भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना 4
- प्रदेश का पहला सर्वसुविधायुक्त रिसॉर्ट 5
- मुख्यमंत्री ने कांकेरवासियों को दी 'हमर लैब' की सौगात 5
- एकीकृत नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का शुभारंभ 6
- हसदेव अरंड वन क्षेत्र में कोयला खदान परियोजना पर लगी रोक 6
- सहकारी शक्कर कारखाना पंडरिया और राम्हेपुर ने रिकवरी दर में राष्ट्रीय स्तर पर रचा नया कीर्तिमान 7
- ऑनलाइन जन शिकायतों के समाधान करने में छत्तीसगढ़ प्रथम 7
- राज्य में अब 2640 रुपए में धान खरीदी 8
- इंडिया फर्स्ट टेक स्टार्टअप कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ के चार स्टार्टअप को मिला अवार्ड 8
- एकलव्य विद्यालय में अध्ययनरत् बच्चों के लिये मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन नंबर जारी करने वाला छत्तीसगढ़ पहला राज्य 9
- छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग में चल रही ऑनलाइन सुविधा को मिला इनोवेशन अवार्ड 9
- अबूझमाड़ को मिलेगा लीची का बाग 10
- xtदंतेवाड़ा ज़िले को कौशल विकास के लिये मिला राष्ट्रीय अवार्ड 10
- चार नक्सल प्रभावित ज़िलों में फिर से शुरू होंगे 260 स्कूल 11
- खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि 11
- पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर में हुआ हैकाथन प्रतियोगिता का शुभारंभ 11
- मुख्यमंत्री ने किया शाला प्रवेश उत्सव का शुभारंभ 12
- जूनियर वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर देश की नंबर वन वेटलिफ्टर बनी ज्ञानेश्वरी 13
- बोरवेल में फँसे बच्चे के रेस्क्यू ऑपरेशन पर बनेगी डॉक्यूमेंटरी फिल्म 13
- 'जगार-2022': सिद्धहस्त शिल्पियों को वर्ष 2019-20 तथा 2020-21 के राज्यस्तरीय पुरस्कार से नवाज़ा गया 14
- आयरन-फोर्टिफाइड चावल से आयरन की अधिक मात्रा हो सकती है: रिपोर्ट 14
- मुख्यमंत्री ने नरवा विकास योजना में 300 करोड़ रुपए के कार्यों का शुभारंभ किया 15
- छत्तीसगढ़ में पहली बार होगा प्रोफेशनल बॉक्सिंग इवेंट 16
- कवर्धा ज़िला अस्पताल को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाण-पत्र 16
- 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' के गुणवत्ता परीक्षण के लिये 5 प्रयोगशाला स्थापित 17
- छत्तीसगढ़ राज्य के भुइयां कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर मिला पुरस्कार 17
- इसी शैक्षणिक सत्र से 76 नए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेज़ी माध्यम के स्कूल शुरू होंगे 18
- रायगढ़ में खुलेगा संगीत और नृत्य महाविद्यालय 18
- मुख्यमंत्री ने जशपुर में किया फूड प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग लैब का लोकार्पण 18
- मुख्यमंत्री ने किया सरना एथनिक रिसोर्ट में टेलीस्कोप का लोकार्पण 19
- छत्तीसगढ़ लघु वनोपज प्रोसेसिंग के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये चयनित 19
- राज्य के सभी नगरीय निकायों में अगस्त में होगा कृष्ण कुंज का लोकार्पण 20
- छत्तीसगढ़ में मलेरिया संक्रमण की दर अब तक के सबसे न्यूनतम स्तर पर 20

नोट :

छत्तीसगढ़

रायपुर विकास योजना, 2031

चर्चा में क्यों ?

31 मई, 2022 को छत्तीसगढ़ के आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर की अध्यक्षता में राजधानी के न्यू सर्किट हाउस के कन्वेंशन हॉल में आयोजित कार्यशाला में रायपुर विकास योजना, 2031 के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई।

प्रमुख बिंदु

- रायपुर विकास योजना (पुनर्विलोकित), 2031 का प्रारूप नगर तथा ग्राम निवेश विभाग द्वारा तैयार किया जा रहा है।
- आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि रायपुर शहर में बढ़ती आबादी और विकास की संभावनाओं के कारण नियोजन के उद्देश्य से 2031 में 30 लाख आबादी को ध्यान में रखकर योजना तैयार की जा रही है।
- रायपुर विकास योजना पुनर्विलोकन (प्रारूप), 2031 का उद्देश्य निवेश क्षेत्र में हरित क्षेत्र उपलब्ध कराना और उनमें सुधार करना है।
- इसी तरह प्राकृतिक संसाधनों और जलस्रोतों का संरक्षण, पर्यावरण में सुधार, विकेंद्रीयकृत दृष्टिकोण तथा क्षेत्रीय यातायात के पृथक्करण पर ज़ोर दिया जा रहा है। साथ ही स्थानीय वाहनों की निर्बाध आवाजाही हेतु आंतरिक मार्गों में सुधार तथा भविष्य में होने वाले संभावित बदलाव-भूमि उपयोग के पैटर्न में बदलाव को शामिल किया गया है।

देश के सबसे कम बेरोज़गारी दर वाले राज्यों में छत्तीसगढ़ एक बार फिर अव्वल

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) द्वारा जारी नये आँकड़ों के अनुसार देश के सबसे कम बेरोज़गारी दर वाले राज्यों में छत्तीसगढ़ एक बार फिर अव्वल रहा है।

प्रमुख बिंदु

- मई माह में छत्तीसगढ़ में बेरोज़गारी दर मात्र 0.7 प्रतिशत रही, जबकि इसी अवधि में देश में बेरोज़गारी दर 7.1 प्रतिशत थी। इससे पहले मार्च, अप्रैल 2022 में भी छत्तीसगढ़ की बेरोज़गारी दर देश में सबसे कम 0.6 प्रतिशत थी।
- सीएमआई के नये आँकड़ों के मुताबिक देश के कम बेरोज़गारी दर वाले राज्यों में मध्य प्रदेश 1.6 प्रतिशत, गुजरात 2.1 प्रतिशत, ओडिशा 2.6 प्रतिशत, उत्तराखंड 2.9 प्रतिशत, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश 3.1 प्रतिशत, महाराष्ट्र और मेघालय 4.1 प्रतिशत, कर्नाटक 4.3 प्रतिशत, आँध्र प्रदेश 4.4 प्रतिशत, पुदुच्चेरी 5.6 प्रतिशत, केरल 5.8 प्रतिशत शामिल है।
- देश में सबसे अधिक बेरोज़गारी दर हरियाणा में 24.6 प्रतिशत, राजस्थान में 22.2 प्रतिशत, जम्मू और कश्मीर में 18.3 प्रतिशत, त्रिपुरा में 17.4 प्रतिशत, दिल्ली में 13.6 प्रतिशत, गोवा में 13.4 प्रतिशत, बिहार में 13.3 प्रतिशत, झारखंड में 13.1 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 9.6 प्रतिशत, तेलंगाना में 9.4 प्रतिशत, पंजाब में 9.2 प्रतिशत, असम में 8.2 प्रतिशत तथा सिक्किम में 7.5 प्रतिशत दर्ज़ की गई।
- साढ़े तीन साल पहले छत्तीसगढ़ में नई सरकार बनने के बाद शहरी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संतुलित करने वाली तथा रोज़गार के नये अवसरों का सृजन करने वाली योजनाओं पर शासन का सर्वाधिक ज़ोर रहा।
- सरकार बनने के तुरंत बाद किसानों को ऋण तथा लंबित सिंचाई कर की माफी से इसकी शुरुआत की गई। इसके बाद राजीव गाँधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, सुराजी गाँव योजना, नरवा-गरवा-घुरवा-बाड़ी कार्यक्रम, राजीव गाँधी ग्रामीण भूमिहीन किसान न्याय योजना, नई औद्योगिक नीति का निर्माण, वन तथा कृषि उपजों के संग्रहण की बेहतर व्यवस्था, उपजों का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण तथा

नोट :

वैल्यू एडिशन, ग्रामीण औद्योगिक पार्कों की स्थापना, लघु वनोपजों के संग्रहण दर में वृद्धि तथा 65 तरह के लघु वनोपजों की समर्थन मूल्य पर खरीद, तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर में वृद्धि, मछलीपालन तथा लाख उत्पादन को कृषि का दर्जा, परंपरागत शिल्पियों, बुनकरों तथा उद्यमियों को प्रोत्साहन, हर ज़िले में सी-मार्ट की स्थापना जैसे अनेक कदम उठाए गए।

आज़ादी से अंत्योदय विशेष अभियान

चर्चा में क्यों ?

2 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ के राजनांदगाँव के कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आजादी से अंत्योदय तक विशेष अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिये विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस शिविर में दिव्यांगजनों का विशिष्ट पहचान-पत्र यूडीआईडी कार्ड व चिकित्सा प्रमाण-पत्र बनाया गया।
- गौरतलब है कि आज़ादी से अंत्योदय अभियान का शुभारंभ अप्रैल, 2022 में केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह द्वारा किया गया था।
- आज़ादी का अमृत महोत्सव के वर्ष भर के आयोजनों के तहत 90 दिन के इस अभियान का उद्देश्य 28 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 75 ज़िलों में बिल्कुल निचले स्तर के व्यक्ति तक केंद्रीय मंत्रालयों की लाभकारी योजनाएँ पहुँचाना है।
- ये ज़िले देश की आज़ादी के लिये प्राणों की आहुति देने वाले 99 स्वतंत्रता सेनानियों के जन्मस्थल से जुड़े हैं।
- इस अभियान में सभी ग्रामीण हितधारकों, जैसे- स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों, पंचायती राज संस्थाओं, महिलाओं तथा युवा समूहों और विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना

चर्चा में क्यों ?

2 जून, 2022 को कबीरधाम ज़िले में स्थापित भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने के प्रबंध संचालक भूपेंद्र कुमार ठाकुर ने बताया कि भोरमदेव शक्कर कारखाना देश में शक्कर की आपूर्ति करने के साथ ही विदेशों में भी शक्कर का निर्यात कर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- कारखाने की स्थापना में पूंजीगत संसाधन उपलब्ध कराने वालों में 16 हज़ार 922 कृषकों के अलावा मंडी बोर्ड, सहकारी समितियाँ एवं छत्तीसगढ़ शासन शामिल हैं।
- भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा एक लाभकारी सहकारी संस्था के रूप में कार्यरत है। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने से वर्ष 2018-19 से वर्ष 2021-22 में 45 हज़ार 200 कृषक लाभान्वित हुए हैं।
- पिछले चार वर्षों में 12 लाख 73 हज़ार 766.257 टन गन्ना की खरीदी एवं पेराई की गई है, जिससे 324.27 करोड़ रुपए कृषकों को भुगतान किया गया है। पिछले चार वर्षों में 13 लाख 33 हज़ार 504 क्विंटल शक्कर का उत्पादन हुआ है।
- छत्तीसगढ़ की जलवायु विशेषताओं से परिपूर्ण कबीरधाम ज़िले में भी परंपरागत रूप से धान की खेती की जाती रही है, परंतु भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा की स्थापना से फसल चक्र में परिवर्तन हुआ।
- शासन द्वारा कृषकों की आर्थिक उन्नति और गन्ना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये गन्ना का समर्थन मूल्य बढ़ाकर 355 रुपए प्रति क्विंटल किया गया, जिससे अनियमित एवं निम्न वर्षा के विरुद्ध कृषकों को संबल एवं आर्थिक सुदृढ़ता प्राप्त हुई और ज़िले में गन्ने के उत्पादन का रकबा बढ़ता गया, जिससे किसानों को अधिक लाभ हो रहा है।

नोट :

- भोरमदेव शक्कर कारखाना द्वारा कारखाना परिसर में 6 मेगावाट को-जन पॉवर प्लांट संचालित किया जा रहा है। को-जन पावर प्लांट की स्थापना होने से गन्ने के पेराई की बाद बचने वाले अवशेष का उपयोग बिजली उत्पादन में किया जा रहा है। इससे स्वयं के लिये बिजली की आपूर्ति भी की जा रही है।
- भोरमदेव शक्कर कारखाने में सह-उत्पाद शीरा पर आधारित इथेनॉल प्लांट का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इथेनॉल प्लांट की स्थापना होने से गन्ना के सह-उत्पाद शीरा का उपयोग किया जा सकेगा। इसकी स्थापना से रोज़गार के क्षेत्र में वृद्धि होगी।
- गौरतलब है कि भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा को रिकॉर्ड समय में कारखाने की स्थापना करने तथा बेहतर संचालन करने के कारण सहकारिता के सर्वोच्च अवार्ड 'ठाकुर प्यारेलाल अवार्ड' के साथ ही अन्य 6 राष्ट्रीय पुरस्कार क्रमशः भारत गौरव अवार्ड, राष्ट्रीय रत्न अवार्ड, इंदिरा गांधी सद्भावना अवार्ड, इंटरनेशनल गोल्ड मिलेनियम अवार्ड तथा क्वालिटी अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रदेश का पहला सर्वसुविधायुक्त रिसॉर्ट

चर्चा में क्यों ?

4 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोंडागाँव ज़िले के केशकाल ब्लॉक के खाले मुरवेंड में प्रदेश के पहले सर्वसुविधायुक्त रिसॉर्ट 'लिमदरहा मिड-वे' का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- 7 करोड़ रुपए की लागत से बना लिमदरहा मिड-वे रिसॉर्ट प्रदेश का पहला सर्वसुविधायुक्त रिसार्ट है, जहाँ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के व्यंजन मिलेंगे।
- इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पर्यटकों के सुझाव पर यहाँ गेम जोन विकसित करने की घोषणा की। पर्यटकों के लिये रिसॉर्ट में फूड चेन के साथ ही टॉयलेटयुक्त कॉटेज भी बनाया जाएगा।
- लिमदरहा मिड-वे रिसॉर्ट केशकाल घाट से लगा हुआ है, यहाँ अगले एक-दो सालों में 40 कॉटेज निर्माण की योजना है, वहीं अगले 6 महीनों में पर्यटकों के लिये कन्वेंशन हाल भी तैयार किया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि केशकाल घाट बस्तर का प्रवेश द्वार है। यह अपनी घुमावदार सड़कों के लिये प्रसिद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कांकेरवासियों को दी 'हमर लैब' की सौगात

चर्चा में क्यों ?

6 जून, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान कांकेर ज़िले के कमलदेव ज़िला चिकित्सालय में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड 'हमर लैब' का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- 'हमर लैब' अत्याधुनिक उपकरणों के साथ एक इंटीग्रेटेड हेल्थ लैब है। यहाँ जाँच से संबंधित सभी संसाधनों का उपयोग एक स्थान पर करते हुए गुणवत्तापूर्ण जाँच सेवाएँ मरीजों को उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे मरीजों को बाहर महँगे दरों पर जाँच की समस्या से भी राहत मिलेगी।
- अब एक ही छत के नीचे मरीजों को अलग-अलग 120 प्रकार के स्वास्थ्य जाँच की सुविधा मिलेगी। इनमें कैंसर और टीबी जैसी बीमारियों की जाँच भी शामिल है।
- 'हमर लैब' में हेमेटोलॉजी से संबंधित 15 प्रकार की जाँच, क्लीनिकल पैथोलॉजी से संबंधित 39 प्रकार की जाँच, बायोकेमेस्ट्री से संबंधित 42 प्रकार की जाँच, सिरोलॉजी से संबंधित 8 प्रकार की जाँच, माइक्रोबॉयलोजी से संबंधित 10 प्रकार की जाँच के साथ ही हिस्टोपैथोलॉजी व सायटोलॉजी से संबंधित 6 प्रकार की जाँच की सुविधाएँ मिलेंगी।

नोट :

- इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कांकेर ज़िला मुख्यालय के अलबेलापारा स्थित मातृ एवं शिशु रोग अस्पताल का शुभारंभ किया। इससे पूर्व यहाँ आदर्श महिला महाविद्यालय संचालित किया जा रहा था। कोरोनाकाल में इसे कोविड-19 अस्पताल में परिवर्तित किया गया था, जिसके पश्चात् ज़िला चिकित्सालय कांकेर में संचालित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य अस्पताल को यहाँ स्थानांतरित किया गया है।

एकीकृत नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

10 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री अनिला भेडिया ने नगरपालिका बालोद अंतर्गत एकीकृत नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- नशामुक्ति केंद्र में नशे की लत को खत्म करने, नशे से छुटकारा दिलाने व उससे दूर रहने के लिये परामर्श प्रदान किया जाता है। इससे अब प्रभावित लोगों को नशापान से छुटकारा पाने में काफी मदद मिलेगी।
- नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में आने वाले लोगों को विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ नि:शुल्क मिलेंगी, जिसमें नशापान से दूर रहने हेतु परामर्श के साथ ही रहने की सुविधा, नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच, योगाभ्यास, मेडिटेशन, संगीत, व्यायाम, इंडोरगेम सहित अन्य प्रकार की सुविधाएँ शामिल हैं।
- इसके अलावा अनिला भेडिया ने बालोद ज़िले के ग्राम झलमला स्थित समाज कल्याण विभाग कार्यालय परिसर में ज़िला नि:शक्त पुनर्वास केंद्र का भी शुभारंभ किया।
- बालोद ज़िले में नि:शक्तजनों हेतु पुनर्वास केंद्र की सुविधा उपलब्ध होने से यहाँ के ज़रूरतमंदों को बाहर किसी अन्य ज़िला नहीं जाना पड़ेगा, ज़िले में ही उन्हें सुविधाएँ मिलेंगी। इससे ज़िले के दिव्यांगजनों को काफी सहूलियत होगी।
- मंत्री भेंडिया ने दिव्यांगजनों को विभिन्न योजनाओं के तहत प्रोत्साहन राशि का चेक और सहायक उपकरण प्रदान कर लाभान्वित किया।

हसदेव अरंड वन क्षेत्र में कोयला खदान परियोजना पर लगी रोक

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार ने सरगुजा संभाग के हसदेव अरंड वन क्षेत्र में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) को आवंटित तीन आगामी कोयला खदान परियोजनाओं पर रोक लगा दी है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि इन परियोजनाओं के खिलाफ स्थानीय लोगों और कार्यकर्त्ताओं के कड़े विरोध के कारण राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है।
- खनन परियोजनाओं को रोके जाने की पुष्टि करते हुए सरगुजा के ज़िलाधिकारी संजीव झा ने बताया कि तीन आगामी परियोजनाएँ- परसा, परसा पूर्व और कांते बासन (पीईकेबी) का दूसरा चरण तथा कांते एक्सटेंशन कोयला खदान, जो खदान शुरू होने से पहले विभिन्न चरणों में है, को आगामी आदेश तक के लिये रोक दिया गया है।
- तीनों खदानें आरआरवीयूएनएल को आवंटित की गई हैं तथा अडानी समूह एमडीओ (माइन डेवलपर और ऑपरेटर) के रूप में इससे जुड़ा है। क्षेत्र की जिन खदानों में काम चल रहा है, वहाँ काम जारी रहेगा।
- स्थानीय लोगों का दावा है कि कोयला खदान से जैवविविधता और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुँचेगा। पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील हसदेव अरंड वन क्षेत्र में खनन न केवल आदिवासियों को विस्थापित करेगा, बल्कि क्षेत्र में मानव-हाथी संघर्ष भी बढ़ेगा।
- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने राजस्थान सरकार के आग्रह पर हाल ही में परसा खदान और पीईकेबी के दूसरे चरण की कोयला खनन परियोजनाओं के लिये अंतिम मंज़ूरी दी थी।

नोट :

सहकारी शक्कर कारखाना पंडरिया और राम्हेपुर ने रिकवरी दर में राष्ट्रीय स्तर पर रचा नया कीर्तिमान

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में छत्तीसगढ़ के कबीरधाम ज़िले में स्थापित दो सहकारी शक्कर कारखानों लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित पंडरिया और भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना राम्हेपुर, कवर्धा ने रिकवरी दर में राष्ट्रीय स्तर पर क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर रहते हुए नया कीर्तिमान रचा है।

प्रमुख बिंदु

- दोनों ही कारखानों ने देश के सभी सहकारी शक्कर कारखानों को रिकवरी के मामले में पीछे छोड़ दिया है। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित पंडरिया पेराई सत्र 2021-22 में 13.12 प्रतिशत रिकवरी के साथ पूरे देश में पहले नंबर पर तथा भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना राम्हेपुर, कवर्धा 11.8 प्रतिशत रिकवरी के साथ पूरे देश में दूसरे नंबर पर रहा।
- रिकवरी दर अधिक होने से ज़िले के 18 हज़ार 497 किसानों को 53.83 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्त होगी। इससे वित्तीय वर्ष में किसानों को 280.7 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा।
- इन किसानों को रिकवरी दर पर 53.83 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्त होगी, साथ ही किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत 50.58 करोड़ रुपए का लाभ मिलेगा।
- लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित पंडरिया में पेराई सत्र 2021-22 में किसानों से 29 लाख 5 हज़ार 338 मीट्रिक टन गन्ने की खरीदी की गई। वहीं भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना राम्हेपुर, कवर्धा में किसानों से 34 लाख 5 हज़ार 3 मीट्रिक टन गन्ने की खरीद की गई है।
- गौरतलब है कि गन्ने की दर एफआरपी से तय होती है, जिसमें न्यूनतम 9.50 प्रतिशत रिकवरी या उससे कम पर 275.50 रुपए प्रति क्विंटल दर से दिया जाता है। 9.50 प्रतिशत से अधिक रिकवरी आने पर प्रति 0.1 प्रतिशत पर 2.90 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ता जाता है।

ऑनलाइन जन शिकायतों के समाधान करने में छत्तीसगढ़ प्रथम

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में राज्य सरकार के आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा जन शिकायतों के निवारण के लिये बनाए गए केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (CPGRAMS) पोर्टल में जन शिकायतों के समाधान करने में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम है।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली पोर्टल में प्राप्त 97 प्रतिशत समस्या निवारण आवेदनों के निराकरण के साथ छत्तीसगढ़ प्रथम आया है।
- पिछले पाँच वर्षों में 3 जून, 2022 तक राज्य में प्राप्त 62,738 आवेदनों में से कुल 60,998 का निपटारा किया गया है।
- CPGRAMS ऑनलाइन पोर्टल शिकायत प्राप्त करता है। समाधान के लिये आवेदन राज्य सरकारों को ऑनलाइन स्थानांतरित किये जाते हैं।
- उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विभागीय और ज़िला अधिकारियों की लगातार एक घंटे तक वर्चुअल मोड पर बैठकें करते हैं। आमतौर पर आठ ज़िला मुख्यालयों को समीक्षा के लिये एक ही दिन में जोड़ा जाता है। इससे शिकायतों के त्वरित निस्तारण में मदद मिलती है।

नोट :

राज्य में अब 2640 रुपए में धान खरीदी

चर्चा में क्यों ?

8 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में अगले खरीफ सीज़न में 2640 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह घोषणा केंद्र सरकार द्वारा फसली वर्ष 2022-23 के लिये सामान्य ग्रेड के धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 100 रुपए बढ़ाने के बाद की।
- गौरतलब है कि 8 जून, 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति ने धान सहित खरीफ की 14 फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी को मंज़ूरी दी।
- फसली वर्ष 2022-23 के लिये सामान्य ग्रेड के धान का एमएसपी 100 रुपए बढ़ाकर 2040 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है। यह पिछले वर्ष 2040 रुपए प्रति क्विंटल था।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि केंद्र एमएसपी में की गई 100 रुपए की वृद्धि के बाद छत्तीसगढ़ के किसानों को इनपुट सब्सिडी की राशि मिलाकर प्रति क्विंटल 2640 रुपए की राशि मिलेगी।
- न्याय योजना और इनपुट सब्सिडी की वजह से छत्तीसगढ़ के किसानों को अन्य राज्यों की तुलना में एक क्विंटल धान के 700 रुपए अधिक मिलेंगे।
- राज्य सरकार ने पिछले खरीफ सीज़न में धान 2540 रुपए प्रति क्विंटल खरीदा था, जिसमें 600 रुपए की प्रोत्साहन राशि भी शामिल है।
- उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार एक एकड़ खेत के पीछे 15 क्विंटल धान खरीदती है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों को प्रति एकड़ यानी 15 क्विंटल धान पर 9 हज़ार रुपए की इनपुट सब्सिडी दी जाती है।

इंडिया फर्स्ट टेक स्टार्टअप कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ के चार स्टार्टअप को मिला अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में इंडिया फर्स्ट टेक स्टार्टअप कॉन्क्लेव बंगलूरू में छत्तीसगढ़ राज्य के स्टार्टअप को 4 केटेगरी में बेस्ट स्टार्टअप का अवार्ड प्राप्त हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि स्टार्टअप कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिये 8 और 9 जून को ऑल इंडिया काउंसिल फॉर रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन द्वारा बंगलूरू में इस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था।
- इस कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ के स्टार्टअप को इमोबिलिटी वर्ग में स्मार्ट यात्री प्राइवेट लिमिटेड, महिला वर्ग में ग्रीनफील्ड इकोसोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, एग्रीटेक वर्ग में सिद्धार्थ एग्रो मार्केटिंग एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड तथा ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी वर्ग में प्रॉमिनेंट इनोवेशन लैब प्राइवेट लिमिटेड को बेस्ट स्टार्टअप का अवार्ड प्रदान किया गया।
- इसके आलावा स्टार्टअप इनक्यूबेशन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय- रबी को सर्वश्रेष्ठ इनक्यूबेशन सेंटर के रूप में सम्मानित किया गया।
- इस कॉन्क्लेव में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ शासन की ओर से संयुक्त संचालक, संजय गजघाटे ने छत्तीसगढ़ राज्य में स्टार्टअप इकोसिस्टम व विभाग द्वारा प्रदान किये जा रहे विभिन्न अनुदानों के विषय में विस्तृत जानकारी दी तथा निवेशकों को राज्य में स्टार्टअप स्थापित करने व निवेश हेतु आमंत्रित किया।
- उल्लेखनीय है कि इस कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ से 12 स्टार्टअप कंपनियों ने भागीदारी की थी।

नोट :

एकलव्य विद्यालय में अध्ययनरत् बच्चों के लिये मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन नंबर जारी करने वाला छत्तीसगढ़ पहला राज्य

चर्चा में क्यों ?

9 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत् बच्चों के संपूर्ण विकास के लिये आदिम जाति विभाग एवं यूनिसेफ के सहयोग से उन्हें काउंसलिंग सुविधा प्रदान करने हेतु हेल्पलाइन नंबर- 9343007820 लॉन्च किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इस हेल्पलाइन नंबर का उपयोग अधीक्षक, शिक्षक, अभिभावक एवं बच्चे कर सकते हैं तथा एक्सपर्ट काउंसलर्स से सहायता प्राप्त कर सकते हैं।
- उल्लेखनीय है कि देश में संचालित समस्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में से छत्तीसगढ़ एकमात्र राज्य है, जहाँ के एकलव्य विद्यालय के बच्चों की समस्याओं के निदान के लिये इस प्रकार के हेल्पलाइन नंबर को जारी किया गया है।
- यह नंबर पूर्व में कुछ ज़िलों में प्रायोगिक रूप से प्रारंभ किया गया था। इसकी सफलता को देखते हुए अब इसे राज्य स्तर पर जारी किया जा रहा है।
- इसके माध्यम से बच्चों में ऐसे लक्षण, जैसे- उदास व बेहद शांत रहना, ज़्यादातर समय अकेले बिताना, अत्यधिक डर लगना या घबराहट होना, बेहद गुस्सा आना या लड़ाई-झगड़ा करना, लगातार स्कूल न जाना, किसी प्रकार का नशा करना, स्वयं को चोट या हानि पहुँचाना आदि लक्षण दिखने पर इस हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर परामर्श लिया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग में चल रही ऑनलाइन सुविधा को मिला इनोवेशन अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित आत्मनिर्भर भारत समिट में छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग में चल रही ऑनलाइन सुविधा को इनोवेशन अवार्ड प्रदान किया गया।

प्रमुख बिंदु

- नई दिल्ली में ईलेट्स द्वारा आयोजित वर्चुअल समारोह में यह अवार्ड टेक्सटाइल मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव यू.पी. सिंह ने प्रदान किया।
- इलेट्स समूह ने छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग के असिस्टेंट ट्रांसपोर्ट कमिशनर शैलाभ साहू से मुलाकात कर यह प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया।
- इस सम्मेलन में देश भर के परिवहन और अन्य विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।
- छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग ने अपने प्रेजेंटेशन में बताया कि 'सारथी योजना' के अंतर्गत, 'तुंहर सरकार तुंहर द्वार', योजना के तहत अब तक 10 लाख से ज्यादा आरसी एवं डीएल स्पीड पोस्ट के माध्यम से घर पहुँचाए जा चुके हैं। इसके कारण आवेदकों को परिवहन कार्यालय में पुन: कार्ड प्राप्त करने आने की आवश्यकता नहीं पड़ती है।
- इस योजना के अंतर्गत आरसी एवं डीएल हेतु वर्तमान में केंद्रीकृत नई क्यूआर आधारित प्रणाली अपनाई गई है। क्यूआर स्कैन करते ही गाड़ी और ड्राइविंग लाइसेंस की समस्त जानकारी प्रवर्तन अधिकारी को तत्काल प्राप्त हो जाती है।
- ड्राइविंग लाइसेंस के लिये चिकित्सकीय जाँच के बाद मेडिकल प्रमाण-पत्र फॉर्म 1ए ऑनलाइन जारी किया जाता है। ऐसा करने वाला छत्तीसगढ़ पहला राज्य है।
- ई-चालान ऐप के माध्यम से वाहन चालकों को सीधे चालान भेजा जा रहा है। फिटनेस में पारदर्शिता के लिये फोटो फिटनेस ऐप बनाया गया है। इसमें जीओ टैग से परिवहन कार्यालय के पास निर्धारित स्थल पर ही वाहन का फोटो लिया जाना अनिवार्य किया गया है।

नोट :

अबूझमाड़ को मिलेगा लीची का बाग

चर्चा में क्यों ?

11 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ के बागवानी विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विभाग नारायणपुर ज़िले के अबूझमाड़ के घने जंगल को एक नई पहचान दिलाने की दिशा में लीची के बाग लगाने की योजना बना रहा है।

प्रमुख बिंदु

- 1995 में ओरछा के राजकीय उद्यान में 100 पौधे रोपे गए थे। वे पेड़ अब अच्छे फल दे रहे हैं। इस प्रयोग की सफलता के बाद बागवानी विभाग लीची की खेती क्षेत्र को और बढ़ाने की योजना बना रहा है।
- सर्वे के बाद क्षेत्र के आदिवासी किसानों को वन भूमि अधिकार विलेख दिया गया है। एक आदिवासी किसान को 20-30 पौधे दिये जाते हैं। इसके बाद बागवानी विभाग उन्हें प्रशिक्षण देगा।
- गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने हाल ही में बस्तर के अपने दौरे के दौरान ओरछा क्षेत्र में 200 एकड़ भूमि में बाग विकसित करने की घोषणा की थी।
- लीची एक छोटी अवधि की फसल है। पेड़ लगभग 10 मई तक फल देते हैं और इसका मौसम 10 जून तक समाप्त हो जाता है, लेकिन प्रति हेक्टेयर 200 पेड़ लगाए जाने पर एक किसान 4-5 लाख रुपए कमा सकता है।
- उल्लेखनीय है कि लीची के पौधों को लंबी सर्दियों और पर्याप्त बारिश की आवश्यकता होती है। इस संबंध में अबूझमाड़ क्षेत्र का मौसम अनुकूल है।

xtदंतेवाड़ा ज़िले को कौशल विकास के लिये मिला राष्ट्रीय अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा ज़िले को कौशल विकास के क्षेत्र में राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि इस अवार्ड के लिये छत्तीसगढ़ से दो ज़िले 'दंतेवाड़ा' तथा 'महासमुंद' का चयन किया गया था।
- दंतेवाड़ा ज़िले को कौशल विकास और उद्यमशीलता के क्षेत्र में नवाचार तथा स्वरोज़गार की दिशा में बेहतर प्रदर्शन के लिये अवार्ड फॉर एक्सीलेंस से पुरस्कृत किया गया।
- जनजातीय आदिवासी बहुल क्षेत्र दंतेवाड़ा में बेहतर क्रियान्वयन हेतु विभिन्न कार्यक्रम चलाए गए। ज़िले में पूना माड़ाकाल सेल के तहत स्वरोज़गार तथा रोज़गार के अनगिनत अवसर प्रदान किये जा रहे हैं।
- ज़िला प्रशासन द्वारा महिला आत्मनिर्भरता हेतु नवा दंतेवाड़ा गारमेंट पैक्ट्री की शुरुआत 31 जनवरी, 2021 को ग्राम पंचायत हारम में की गई। ज़िले के कटेकल्याण, बारसूर ब्लॉक में डेनेक्स की अन्य यूनिट स्थापित की गई है, जिनमें 770 से ज़्यादा लोगों को स्वरोज़गार मिला है।
- इसके अतिरिक्त छिंदनार में डेनेक्स की अन्य यूनिट भी स्थापित की जा रही है। चारों डेनेक्स में 1200 परिवारों को रोज़गार देने का लक्ष्य है।
- ज़िले में स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित सामग्री तथा दैनिक उपयोग में आने वाली समान सुपोषण अभियान, स्कूल तथा आश्रम छात्रावास में गुणवत्तायुक्त एवं सस्ती दर पर समान उपलब्ध कराने व स्व-सहायता समूह की दीदियों को रोज़गार से जोड़ने हेतु 8 जून, 2020 को माँ दंतेश्वरी मार्ट का शुभारंभ किया गया था। ज़िले के चारों विकासखंडों में कुल 14 मार्ट संचालित हैं।

नोट :

चार नक्सल प्रभावित ज़िलों में फिर से शुरू होंगे 260 स्कूल

चर्चा में क्यों ?

12 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग ने चार नक्सल प्रभावित, ज़िलों- नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा में 260 स्कूलों को फिर से शुरू करने के लिये पत्र जारी किया है।

प्रमुख बिंदु

- स्कूल शिक्षा विभाग ने चारों ज़िले के कलेक्टरों को 'शाला प्रवेश उत्सव' (स्कूल प्रवेश उत्सव) और 'थैंक यू मुख्यमंत्री कार्यक्रम' आयोजित करने के निर्देश दिये हैं।
- शिक्षा विभाग ने कलेक्टरों को शत-प्रतिशत प्रवेश व बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और ज़िले के प्रभारी मंत्री, ज़िला पंचायत अध्यक्ष, अन्य जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों को कार्यक्रमों में आमंत्रित करने को कहा है।
- इससे पहले नक्सली इलाकों में विभिन्न कारणों से करीब 400 स्कूल बंद किये गए थे। इन ज़िलों में समुदाय की मांग के आधार पर सरकार ने 260 स्कूलों को फिर से शुरू करने का फैसला किया है।
- इन स्कूलों को औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 16 जून को राज्यस्तरीय स्कूल प्रवेश उत्सव के दौरान खोलेंगे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि

चर्चा में क्यों ?

13 जून, 2022 को हरियाणा के पंचकूला में संपन्न हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 2 स्वर्ण पदक, 3 रजत पदक तथा 6 कांस्य पदक सहित कुल 11 पदक हासिल किये।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि हरियाणा के पंचकूला में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ राज्य से 13 खेलों के 122 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था।
- खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ को पहला स्वर्ण पदक वेटलिफ्टिंग में मिला। इनमें ज्ञानेश्वरी यादव ने 164 किलोग्राम वज़न उठाकर अपने पुराने रिकॉर्ड को ब्रेक करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया है। इस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ के राजा भारती ने कुल 211 किलोग्राम वज़न उठाकर कांस्य पदक जीता है।
- इसी तरह मलखंब में सरिता पोयाम ने 1 स्वर्ण और एक कांस्य पदक, मोनू नेताम ने 2 रजत पदक तथा बालिका और बालक दल ने 1-1 कांस्य पदक हासिल किया।
- इसके अलावा गतका में रणवीर ने (व्यक्तिगत) 1 रजत पदक तथा छत्तीसगढ़ राज्य के गतका दल ने 1 कांस्य पदक प्राप्त किया और कलारीपयट्टू में साधिका दुबे ने 1 कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया।

पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर में हुआ हैकाथन प्रतियोगिता का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

15 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा की मुख्य आतिथ्य में हैक-मंथन नामक हैकाथन प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि पुलिस की तकनीकी संबंधी समस्याओं का समाधान ढूँढ़ने के लिये छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) नवा रायपुर के सहयोग से 27 मई, 2022 से 'हैक-मंथन' नामक हैकाथन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

नोट :

- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (तकनीकी सेवा) कवि गुप्ता ने बताया कि महीने भर चलने वाले इस प्रतियोगिता में देश भर से सूचना प्रोद्यौगिकी से जुड़े तकनीकी संस्थान, जैसे- आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटी आदि के 460 टीमें शामिल हैं।
- स्वीकृत आवेदनों के आधार पर प्रथम चरण में 13 जून से 20 जून तक हैकाथन हेतु जारी प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स का समाधान कोडिंग के माध्यम से ढूँढ़ने हेतु प्रतिभागियों द्वारा प्रयास किया जाएगा।
- प्रथम चरण के प्रतियोगिता के बाद कुल 12 टीमों को फाइनल राउंड हेतु शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। अंतिम चरण 29 जून, 2022 को होटल मैरियट, रायपुर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें चयनित टीमों द्वारा (अपने द्वारा) तैयार किये गए समाधान प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा।
- इन प्रस्तुतीकरण के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं की घोषणा की जाएगी, जिन्हें क्रमश: 80 हज़ार, 40 हज़ार, एवं 20 हज़ार रुपए नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।
- तकनीकी सेवा के प्रमुख एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रदीप गुप्ता ने बताया कि हैकाथन को प्रासंगिक एवं रोचक बनाने के लिये वास्तविक जीवन में पुलिसिंग में आ रही तकनीकी समस्याओं को प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स के रूप में इस प्रतियोगिता में समावेशित किया गया है, जिनमें शामिल हैं- क्रिप्टोकरेंसी आधारित ट्रांजेक्शन की ट्रेकिंग हेतु समाधान, सीसी टीवी कैमरों से प्राप्त फीड्स का पुलिंसिग की दृष्टि से उन्नयन, डॉयल 112 में प्राप्त होने वाले आपातकालीन कॉल्स की फील्टिरिंग एवं स्पीच इमोशन रिकॉगनिशन, सोशल मीडिया पोस्ट का सेंटिमेंट एनालिसिस तथा क्राइम डाटा विश्लेषण।
- सहायक पुलिस महानिरीक्षक (तकनीकी सेवा) मनीष शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर के इस प्रतियोगिता में देश भर से 1200 से भी अधिक प्रतिभागियों के आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो इस प्रतियोगिता की सफलता को दर्शाता है। इस प्रतियोगिता में कॉरपोरेट जगत से भी पुलिस के साथ मिलकर सयुंक्त प्रयास कर रहे हैं।
- ट्रिपल आईटी के डायरेक्टर प्रदीप सिन्हा ने अपने वक्तव्य में बताया कि पुलिस विभाग एवं ट्रिपल आईटी द्वारा यह अपने किस्म का पहला आयोजन है तथा भविष्य में भी इस प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन किये जाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने किया शाला प्रवेश उत्सव का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

16 जून, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय से आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में प्रदेश के स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- शाला प्रवेश उत्सव के साथ ही प्रदेश के प्राथमिक स्कूल परिसरों में 6 हजार 536 बालवाड़ियों को भी शुरू किया।
- मुख्यमंत्री ने नक्सल प्रभावित चार जिलों- सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर और नारायणपुर में डेढ़ दशक से बंद पड़े 260 स्कूलों को फिर से शुरू किया। इन स्कूलों में 11 हजार 13 बच्चों ने प्रवेश लिया है।
- बीजापुर जिले में सबसे अधिक 158, सुकमा जिले में 97, नारायणपुर जिले में 4 और दंतेवाड़ा जिले में एक बंद स्कूल फिर से खोला जा रहा है।
- मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में महात्मा गांधी के आदर्शों पर आधारित स्कूलों में लगाए जाने वाले पोस्टर का विमोचन भी किया गया।
- शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना लॉकडाउन के दौरान 'पढ़ाई तुंहर दुआर' प्लेटफार्म उपलब्ध कराया गया था, जिसका अच्छा उपयोग शिक्षकों, पालकों और विद्यार्थियों ने किया।
- प्रदेश में शिक्षा की अधोसंरचना और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम के स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत प्रदेश में 171 अंग्रेजी माध्यम और 32 हिन्दी माध्यम के स्कूलों का संचालन किया जा रहा है।

नोट :

जूनियर वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर देश की नंबर वन वेटलिफ्टर बनी ज्ञानेश्वरी

चर्चा में क्यों ?

16 जून, 2022 को हिमाचल प्रदेश में चल रहे वेटलिफ्टिंग रैंकिंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजनांदगांव की वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने जूनियर वर्ग के 49 किग्रा. भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश की नंबर वन वेटलिफ्टर बन गई हैं।

प्रमुख बिंदु

- इस प्रतियोगिता में ज्ञानेश्वरी ने सीनियर वर्ग के 49 किग्रा. भार वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया है। इस वर्ग में उन्होंने देश की नंबर वन वेटलिफ्टर मीराबाई चानू से मुकाबला किया था और सिल्वर मेडल पदक प्राप्त किया है।
- उल्लेखनीय है कि हाल ही में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ की ज्ञानेश्वरी यादव ने 164 किग्रा. वजन उठाकर अपने पुराने रिकार्ड को तोड़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया था।
- इससे पहले ज्ञानेश्वरी ने ग्रीस के हेराक्लिओन शहर में 1 से 10 मई, 2022 तक आयोजित जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 49 किग्रा. भार वर्ग में स्नेच, क्लीन एंड जर्क स्पर्द्धा में 156 किग्रा. वजन उठाकर 3 सिल्वर मेडल जीतकर छत्तीसगढ़ की पहली महिला वेटलिफ्टर बन गई हैं, जिन्होंने विदेशी धरती पर जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल का खिताब हासिल किया है।
- गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा ज़िले के नगरोटा बगवाँ के रेनबो इंटरनेशनल स्कूल में 14 से 22 जून, 2022 तक राष्ट्रीय खेलो इंडिया वेटलिफ्टिंग रैंकिंग सीनियर, जूनियर व यूथ वर्ग की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

बोरवेल में फँसे बच्चे के रेस्क्यू ऑपरेशन पर बनेगी डॉक्यूमेंटरी फिल्म

चर्चा में क्यों ?

16 जून, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि जांजगीर-चांपा ज़िले के बोरवेल में फँसे बच्चे को निकालने के लिये चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन पर डॉक्यूमेंटरी फिल्म बननी चाहिए।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने बोरवेल में फँसे बच्चे के रेस्क्यू ऑपरेशन में उल्लेखनीय भूमिका अदा करने वाले ज़िला प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ, सेना और पुलिस के जवानों सहित इस ऑपरेशन में सहयोग देने वाले लोगों के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए ये बात कही।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि इस डॉक्यूमेंटरी फिल्म द्वारा रेस्क्यू टीम के अनुभव को प्रदेश और देश के लोग समझ सकेंगे। यह फिल्म भविष्य में ऐसी होने वाली घटनाओं को रोकने के लिये भी सीख बनेगी।
- कार्यक्रम में रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी टेक्निकल टीम, लाइट, टेंट, जनरेटर, वेल्डिंग मशीन, गैस कटर, मशीनरी लेबर प्रोवाइडर, बोरवेल कैमरा सेटअप संचालक, ड्रीलिंग, पोकलेन चलाने वाले, एसईसीएल की रेस्क्यू टीम और फूड प्रोवाइडर्स को भी सम्मानित किया गया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चे राहुल साहू को बोरवेल से निकालने वाले बालक अजरूल और पूरी टीम को राज्योत्सव में आमंत्रित किया जाएगा और वहाँ पर सभी को सम्मानित किया जाएगा।
- गौरतलब है कि जांजगीर-चांपा ज़िले के ग्राम पिहरीद के बोरवेल में फँसे बच्चे राहुल साहू को बचाने के लिये 104 घंटे तक चला यह देश का सबसे बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन है।

नोट :

'जगार-2022': सिद्धहस्त शिल्पियों को वर्ष 2019-20 तथा 2020-21 के राज्यस्तरीय पुरस्कार से नवाज़ा गया

चर्चा में क्यों ?

16 जून, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के छत्तीसगढ़ पंडरी हाट बाज़ार परिसर में आयोजित दस दिवसीय 'जगार-2022' मेले में सिद्धहस्त शिल्पकारों को राज्यस्तरीय हस्तशिल्प पुरस्कार और आईआईसीडी जयपुर से उत्तीर्ण हुए बुनकर छात्रों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि 10 जून से 19 जून तक चलने वाले इस दस दिवसीय जगार मेले में छत्तीसगढ़ सहित 12 राज्यों के शिल्पकारों एवं बुनकरों के विभिन्न उत्पाद के प्रदर्शन सह विक्रय के लिये 140 स्टॉल लगे हैं।
- राज्यस्तरीय पुरस्कार हेतु चयनित शिल्पियों में अंबालाल झारा, ढ़ोकरा शिल्पकार (रायगढ़), तिलोचनी देवांगन, तुमा शिल्पी (बस्तर), रेणु विश्वकर्मा, पेपर मेशी आर्ट शिल्पी (रायपुर), फरहारो प्रजापति, गोदना शिल्पी (सरगुजा) और प्रतिमा डहरवाल, भित्ति चित्र शिल्पी (रायपुर) को वर्ष 2019-20 का राज्यस्तरीय हस्तशिल्प पुरस्कार प्रदान किया गया।
- इसी तरह जितेंद्र कुमार बैद्य, ढ़ोकरा शिल्पकार (कोंडागाँव) और चांईबाई झारा, ढ़ोकरा शिल्पी (रायगढ़), भागेलाल सोड़ी, लौह शिल्पकार (कोंडागाँव), दशरथ कश्यप, काष्ठ शिल्पकार, (बस्तर) तथा चंपा पावले, गोदना शिल्पी (सरगुजा) को वर्ष 2020-21 का राज्यस्तरीय हस्तशिल्प पुरस्कार प्रदान किया गया।
- कार्यक्रम में आईआईसीडी जयपुर से उत्तीर्ण हुए छात्रों में राजेश कुमार, दीपक झोरका, मनोज कुमार तथा राजेंद्र को वर्ष 2020 (क्राफ्ट डिजाइन) हार्ड मटीरियल एप्लीकेशन में 4 वर्षीय डिप्लोमा के लिये प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।
- उल्लेखनीय है कि यह जगार-2022 मेला कोरोना संक्रमण काल के कारण दो वर्षों बाद लगा है। इस मेले में हस्तशिल्प के विभिन्न उत्पादों के साथ ही हथकरघा, खादी ग्रामोद्योग, माटीकला के अनेक आकर्षक उत्पादों की प्रदर्शनी बिक्री के लिये लगाई गई है।
- इन स्टॉलों में से छत्तीसगढ़ के लिये कुल 80 स्टॉल आवंटित किये गए हैं। वहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और जम्मू एवं कश्मीर के शिल्पकार 60 स्टॉलों में अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे हैं।
- जगार मेला-सह प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ राज्य के सुप्रसिद्ध हस्तशिल्प बेलमेटल शिल्प, लौह शिल्प, काष्ठ शिल्प, बाँस शिल्प कालीन शिल्प, शिसल शिल्प, गोदना शिल्प, तुमा शिल्प, टेराकोटा शिल्प, छिंद काँसा, हथकरघा वस्त्रों में कोसे की साड़ियाँ, दुपट्टा, सलवार-सूट, ड्रेस मटेरियल, बेडशीट, चादरें एवं विभिन्न प्रकार के रेडीमेड वस्त्र का प्रदर्शन सह-विक्रय किया जाएगा।
- जगार मेला-2022 में उत्तर प्रदेश के लखनऊ की चिकनकरी, बनारस की बनारसी साड़ी, मध्य प्रदेश की चंदेरी, महेश्वरी एवं टीकमगढ़ का ब्रांस, पश्चिम बंगाल का जूटवर्क, कांथावर्क एवं बंगाली साड़ियों के अतिरिक्त पंजाब की फूलकारी, राजस्थान की मोजरी व गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, बिहार एवं जम्मू-कश्मीर सहित कुल 11 राज्यों की शिल्प कलाओं का संग्रह देखने को मिल रहा है।

आयरन-फोर्टिफाइड चावल से आयरन की अधिक मात्रा हो सकती है: रिपोर्ट

चर्चा में क्यों ?

20 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ के चार ज़िलों के 11 गाँवों का दौरा करने के बाद एक तथ्य-खोज रिपोर्ट जारी करते हुए आशा (अलायंस फॉर सस्टेनेबल एंड होलिस्टिक एग्रीकल्चर) कविता कुरुगंती ने कहा कि आयरन-फोर्टिफाइड चावल से आयरन की अधिकता हो सकती है।

प्रमुख बिंदु

- बस्तर, कोंडागाँव, सरगुजा और कोरबा के पाँच ब्लॉकों के 11 गाँवों का दौरा करने के बाद यह रिपोर्ट जारी करते हुए कुरुगंती ने कहा कि छत्तीसगढ़ धान उत्पादन में आत्मनिर्भर है और एक विकेंद्रीकृत खरीद प्रणाली भी है।

नोट :

- उन्होंने कहा कि राज्य में चावल फोर्टिफिकेशन योजना की बड़े पैमाने पर स्केलिंग का वास्तव में कोई आधार नहीं है, जहाँ छत्तीसगढ़ पूरे देश में वितरित किये जा रहे सभी फोर्टिफाइड चावल का 25-45 प्रतिशत अभी वितरित कर रहा है।
- रिपोर्ट के अनुसार कोंडागाँव ज़िले में न तो प्रायोगिक कार्य पूरा किया गया है, न ही मूल्यांकन किया गया है और परिणाम सार्वजनिक जाँच के लिये रखे गए हैं, लेकिन इसे बढ़ाकर 12 ज़िलों में कर दिया गया।
- भोजन का अधिकार अभियान (आरटीएफसी) छत्तीसगढ़ की संगीता साहू ने कहा कि पायलट मूल्यांकन न केवल प्रभावकारिता का, बल्कि सुरक्षा का भी हो सकता है।
- उन्होंने कहा कि सिकलसेल विकार, थैलेसीमिया, तपेदिक (टीबी) जैसी बीमारियों के बोझ के साथ, छत्तीसगढ़ को सार्वजनिक योजनाओं में आयरन-फोर्टिफाइड चावल की केंद्र की अवैज्ञानिक और जोखिम भरी नीति से बाहर निकलना चाहिये।
- छत्तीसगढ़ में पहले से ही लगभग 1.5 लाख व्यक्तियों के सिकलसेल विकारों का उच्च रोग भार है। राज्य में थैलेसीमिया, मलेरिया और तपेदिक भी प्रचलित हैं।
- उन्होंने कहा कि राज्य में पहले से ही कुछ अनुकरणीय और अनूठी पहलें हैं, जैसे- एक समग्र, विविधता से भरपूर, खाद्य-आधारित 'सुपोषण अभियान', 'नरवा, गरुवा, घुरुवा और बाड़ी' (एनजीजीबी) और 'गोधन न्याय योजना' आदि।

मुख्यमंत्री ने नरवा विकास योजना में 300 करोड़ रुपए के कार्यों का शुभारंभ किया

चर्चा में क्यों ?

17 जून, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में वन विभाग द्वारा आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम 'नरवा विकास' के तहत वर्ष 2022-23 में प्रदेश के 40 वन मंडलों में कैंपा मद से 300 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत कार्यों का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- उन्होंने प्रदेश में वर्ष 2020 में हुए तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य के लिये 432 समितियों के 4 लाख 72 हज़ार संग्राहकों को 34 करोड़ 41 लाख रुपए की राशि प्रोत्साहन पारिश्रमिक के रूप में सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित भी की।
- इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में वन वृत्त स्तर पर रायपुर, बिलासपुर, कांकेर, जगदलपुर और सरगुजा में वनोपजों और उत्पादों की गुणवत्ता के परीक्षण के लिये स्थापित प्रयोगशालाओं का लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने महासमुंद वन मंडल में 5 करोड़ रुपए की लागत से ईको-टूरिज़्म विकास के कार्यों का भी शुभारंभ किया।
- मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वनांचल में हरियाली लाने तथा लोगों की आय में वृद्धि के लिये नरवा विकास योजना महत्त्वपूर्ण है। इसकी महत्ता को ध्यान में रखते हुए नरवा विकास कार्यक्रम को एक अभियान का रूप दिया जाएगा।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि भेंट-मुलाकात के दौरान जानकारी मिली की वन क्षेत्रों में इन कार्यों से जल स्तरों में लगभग 30 सेंटीमीटर, जबकि मैदानी क्षेत्रों में जलस्तर में लगभग 7 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है।
- उन्होंने कहा कि नरवा विकास के कार्य से वन क्षेत्रों में वन्यजीवों और पशु-पक्षियों के लिये न सिर्फ जल की उपलब्धता होगी, बल्कि खेती करने वाले भी दो फसलें ले सकेंगे, इससे बायो डायवर्सिटी को बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।
- मुख्यमंत्री ने कुछ ज़िलों में नेट से महुआ कलेक्शन के प्रारंभ हुए कार्य का ज़िक्र करते हुए कहा कि इससे महुआ संग्राहकों को अच्छा फायदा हो रहा है, इसी तर्ज़ पर नेट के माध्यम से चार-चिरौंजी का भी संग्रहण किया जाएगा।
- वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि भू-जल के संरक्षण और संवर्धन सहित नालों को पुनर्जीवित करने में नरवा विकास एक बहुउपयोगी योजना है। इसके लिये नरवा विकास कार्यों से जल स्तर में वृद्धि तथा सिंचाई के रकबे में वृद्धि के आकलन की भी तैयारी की जा रही है।
- वन मंत्री ने बताया कि राज्य में वनवासियों के हित में लघु वनोपजों के संग्रहण से लेकर प्रसंस्करण आदि व्यवस्था के ज़रिये उन्हें अधिक-से-अधिक लाभ दिलाने के लिये सतत् प्रयास हो रहे हैं। इसी का नतीजा है कि छत्तीसगढ़ लघु वनोपजों के संग्रहण के मामले में देश में अव्वल है। वर्तमान में देश के लगभग तीन-चौथाई लघु वनोपजों का संग्रहण छत्तीसगढ़ में होता है।

नोट :

छत्तीसगढ़ में पहली बार होगा प्रोफेशनल बॉक्सिंग इवेंट

चर्चा में क्यों ?

21 जून, 2022 को राज्य सरकार के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से 'रंबल इन द जंगल' नामक इवेंट के साथ प्रोफेशनल बॉक्सिंग पहली बार रायपुर में आयोजित की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- यह प्रो-बॉक्सिंग इवेंट बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, रायपुर में अगस्त में आयोजित होगा, जिसमें ओलंपिक पदक विजेता विजेंदर सिंह के मुकाबले (हेडलाइन बाउट) के साथ अन्य अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर मुक्केबाज़ों के मुकाबले भी होंगे।
- गौरतलब है कि विजेंदर सिंह ने 8 जून को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में बॉक्सिंग को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया था और उनसे छत्तीसगढ़ में प्रोफेशनल बॉक्सिंग इवेंट कराने का आग्रह किया था, जिस पर मुख्यमंत्री ने सहमति दी थी।
- विजेंदर सिंह वर्ष 2008 में ओलंपिक का कांस्य पदक जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज़ हैं। वर्ष 2015 में पेशेवर मुक्केबाज़ बने विजेंदर सिंह ने 8 नॉकआउट सहित 12 मुकाबले जीते हैं। 'रंबल इन द जंगल' भारत में उनके पेशेवर मुक्केबाज़ी करियर के दौरान उनका छठा मुकाबला होगा।
- इस इवेंट का आयोजन पर्पल गोट स्पोर्टेनमेंट एलएलपी द्वारा किया जाएगा।

कवर्धा ज़िला अस्पताल को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाण-पत्र

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के कबीरधाम ज़िला अस्पताल को मरीज़ों को बेहतर इलाज और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिये राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाण-पत्र (एनक्यूएएस) प्रदान किया है।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही कबीरधाम राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण-पत्र पाने वाला प्रदेश का 10वाँ ज़िला बन गया है। प्रदेश के 9 ज़िला अस्पतालों- कोरबा, जशपुर, रायपुर, कांकेर, महासमुंद, बलौदाबाज़ार, मुंगेली, नारायणपुर और बीजापुर को भारत सरकार द्वारा पहले ही इस प्रमाण-पत्र से नवाजा जा चुका है।
- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम द्वारा कवर्धा ज़िला अस्पताल के 12 विभिन्न विभागों के निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य सुविधाओं को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पाए जाने पर एनक्यूएएस सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है। टीम ने विगत मई माह में वहाँ ओपीडी, लेबर रूम, मैटरनिटी वार्ड, पीडियाट्रिक वार्ड, एसएनसीयू, एनआरसी, ऑपरेशन थियेटर, पीपी यूनिट, आईपीडी, ब्लडबैंक, लैबोरेटरी और जनरल एडमिनिस्ट्रेशन विभाग का निरीक्षण किया था।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत राज्य के अस्पतालों में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और मरीज़ों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिये स्वास्थ्यकर्मियों के नियमित प्रशिक्षण के बाद संस्था का आंतरिक तथा राज्यस्तरीय मूल्यांकन, सेवा प्रदाय ऑडिट तथा मरीज़ संतुष्टि सर्वे की प्रक्रिया की जाती है।
- गौरतलब है कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान करने से पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के विशेषज्ञों की टीम द्वारा ज़िला अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का कई मानकों पर परीक्षण किया जाता है। इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही भारत सरकार द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किया जाता है।

नोट :

'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' के गुणवत्ता परीक्षण के लिये 5 प्रयोगशाला स्थापित

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' ब्रॉन्ड के तहत उत्पादित किये जाने वाले उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये राज्य में 5 गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना की गई है।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा हाल ही में आयोजित कार्यक्रम में इसका शुभारंभ किया गया था। इन प्रयोगशालाओं के संचालन का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा किया जाएगा।
- वन वृत्त स्तर पर रायपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर, कांकेर तथा बिलासपुर में स्थापित इन प्रयोगशालाओं में परीक्षण उपरांत प्राथमिक तौर पर उत्पादों की गुणवत्ता संबंधी प्रमाण-पत्र जारी किये जाएंगे। इससे छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पादों के विक्रय को देश तथा देश के बाहर और बढ़ावा मिलेगा।
- प्रयोगशाला में निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप 65 लघु वनोपज एवं 59 औषधीय, 46 खाद्य, 7 कॉस्मेटिक तथा अन्य 22 उत्पादों का परीक्षण किया जाएगा। इनमें संबंधित वृत्त के अंतर्गत आने वाले सभी ज़िला यूनियन तथा वन-धन विकास केंद्रों के उत्पादों का परीक्षण होगा।
- गौरतलब है कि राज्य में लघु वनोपजों के प्रसंस्करण में 8 हज़ार 11 स्व-सहायता समूह के सदस्य कार्य कर रहे हैं। इनके द्वारा तैयार किये गए उत्पादों के विपणन के लिये यह आवश्यक है कि समय-समय पर इनकी गुणवत्ता तथा घटकों का परीक्षण मान्यताप्राप्त प्रयोगशालाओं में किया जाए।
- छत्तीसगढ़ में लघु वनोपज, हर्बल उत्पाद एवं हर्बल औषधि के परीक्षण के लिये पर्याप्त प्रयोगशाला नहीं थीं, इसे ध्यान में रखते हुए इन प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है।

छत्तीसगढ़ राज्य के भुइयां कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर मिला पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

23 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ में कार्यालय आयुक्त भू-अभिलेख द्वारा संचालित लैंड रिकॉर्ड्स प्रोजेक्ट, भुइयां सॉफ्टवेयर को मुंबई में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रतिष्ठित आईएमसी डिजिटल अवॉर्ड्स, 2021 से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- यह पुरस्कार सरकारी क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिये कार्यालय आयुक्त भू-अभिलेख और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र को प्रदान किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि राज्य में भू-अभिलेखों को डिजिटाइज़ करने और लोगों को इसे ऑनलाइन माध्यम से सहज रूप में उपलब्ध कराने के लिये भुइयां कार्यक्रम बनाया गया है।
- भुइयां सॉफ्टवेयर नक्शा, खसरा एवं उससे जुड़े ज़मीन के कागज़ात को ऑनलाइन प्रस्तुत करता है, साथ ही संपत्ति की रजिस्ट्री एकीकृत करते हुए डुप्लीकेट रजिस्ट्री की समस्या का समाधान करता है।
- इस सॉफ्टवेयर में प्रोजेक्ट में विभागों के प्रमुख अधिकारियों- राजस्व, खाद्य, कृषि, एनसीपीआई, मृदा स्वास्थ्य, वाणिज्यिक कर, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और कई अन्य विभागों के सचिव तथा ज़िला के कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक की लॉग इन आईडी बनाई गई है तथा 3800 से अधिक बैंकों को भुइयां से एकीकृत किया गया है, जिससे किसी भूमि पर डुप्लीकेट ऋण प्रदाय किये जाने से रोका जा सकता है एवं ऋण की ऑनलाइन प्रविष्टि भी की जा सकती है।

नोट :

इसी शैक्षणिक सत्र से 76 नए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेज़ी माध्यम के स्कूल शुरू होंगे

चर्चा में क्यों ?

24 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ के स्कूली शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य में 76 नए स्वामी आत्मानंद अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालय इसी शैक्षणिक सत्र से प्रारंभ किये जा रहे हैं। इन नए स्कूलों में विद्यार्थियों को 1 जुलाई से प्रवेश दिया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने बताया कि पालकों और बच्चों के आग्रह पर मुख्यमंत्री बघेल ने राज्य में 50 और नवीन अंग्रेज़ी माध्यम के स्कूल खोलने की घोषणा की थी। विधानसभा क्षेत्रों के भेंट-मुलाकात के दौरान लोगों की मांग पर मुख्यमंत्री ने 26 और नवीन अंग्रेज़ी माध्यम के स्कूल खोलने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की मंशा और उनकी घोषणा के अनुरूप 76 नए स्कूल खोले जा रहे हैं।
- 76 नए स्कूलों के खुल जाने से राज्य में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यालयों की संख्या 171 से बढ़कर 247 हो जाएगी। राज्य में 32 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम के विद्यालय संचालित हैं।
- रायपुर में सर्वाधिक 12 नए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यालय शुरू किये जा रहे हैं। इसी तरह बलौदाबाज़ार, बस्तर एवं बेमेतरा ज़िले में 4-4, बिलासपुर, कोरबा, कोरिया, कोंडागाँव, बलौद एवं बलरामपुर ज़िले में 3-3, धमतरी एवं बीजापुर ज़िले में 2-2 तथा कांकेर, कबीरधाम, रायगढ़ एवं राजनांदगाँव ज़िले में 1-1 नवीन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यालय प्रारंभ किये जा रहे हैं।
- इन विद्यालयों में हिन्दी माध्यम पूर्व की भाँति यथावत संचालित रहेंगे। हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के प्रवेश हेतु निश्चित संख्या निर्धारित नहीं की गई है। विद्यालय अपनी आवश्यकता एवं क्षमता अनुसार प्रवेश दे सकेंगे। विद्यालयों का संचालन आवश्यकतानुसार दो पालियों में किये जा सकेंगे।

रायगढ़ में खुलेगा संगीत और नृत्य महाविद्यालय

चर्चा में क्यों ?

24 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायगढ़ में संगीत और नृत्य महाविद्यालय की स्थापना हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये।

प्रमुख बिंदु

- इस महाविद्यालय की स्थापना इंदिरा संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के अंतर्गत की जाएगी।
- गौरतलब है कि रायगढ़ को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक नगरी के रूप में जाना जाता है।
- रायगढ़ घराना अपनी कथक नृत्य विधा और शास्त्रीय संगीत के लिये प्रसिद्ध है।
- रायगढ़ में राजा चक्रधर सिंह ने गणेश पूजा के दौरान विभिन्न प्रकार के संगीत, साहित्य एवं खेलों का आयोजन कराया था, जो अभी भी जारी हैं। इसे 'चक्रधर समारोह' के नाम से जाना जाता है।

मुख्यमंत्री ने जशपुर में किया फूड प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग लैब का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

27 जून, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जशपुर ज़िले के रंजीता स्टेडियम परिसर में स्थित फूड प्रोसेसिंग एंड पैकेजिंग लैब में खाद्य उत्पाद प्रसंस्करण प्रयोगशाला एवं पैकेजिंग केंद्र भवन का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- यह भवन डीएमएफ फंड द्वारा लगभग 22 लाख 72 हज़ार रुपए की लागत से तैयार किया गया है।

नोट :

- यह प्रदेश की पहली उच्चस्तरीय लैब है, जिसमें विभिन्न उत्पादों के रॉ-मटेरियल को प्रसंस्कृत कर विक्रय के लिये सी मार्ट में भेजा जाता है, जिससे समूह की महिलाओं को अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है।
- उत्पादों को प्रसंस्कृत करने के लिये बॉण्ड सिलर, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैप सिलर, ऑटोमेटिक ग्रेनुअल फीलिंग मशीन, टी बैग फीलिंग मशीन, वैक्यूम पैकेजिंग, च्यवनप्राश एवं हनी पैकेजिंग, सैनिटाइजर फीलिंग मशीन, बीओडी इंक्यूबेटर, लेमिनर एयर फ्लो, फ्यूम हुड, मॉइश्चर एनालाइजर जैसी अत्याधुनिक मशीनों का प्रयोग किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने किया सरना एथनिक रिसोर्ट में टेलीस्कोप का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

27 जून, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जशपुर ज़िले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये सरना एथनिक रिसोर्ट में टेलीस्कोप का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने यह टेलीस्कोप देशदेखा पर्यटन महिला स्व-सहायता समूह को प्रदान किया।
- जिनके द्वारा इस टेलीस्कोप को देशदेखा पर्यटन स्थल पर संचालित किया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोज़गार मिलेगा।
- इसके साथ ही मुख्यमंत्री के समक्ष स्टार्टअप जशपुर ट्रिप्पी हिल्स एवं देशदेखा पर्यटन समिति के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। रिसोर्ट स्थल में जशपुर पर्यटन सर्किट प्रारंभ किया गया, जिससे प्रत्येक पर्यटन स्थल की जानकारी मिलेगी।
- इस दौरान मुख्यमंत्री ने ज़िले के पर्यटन स्थलों की जानकारी ऑनलाइन सोशल मीडिया प्लेटफार्म में उपलब्ध कराने के लिये तैयार की गई 'जोहार जशपुर वेबसाइट' लॉन्च किया। वेबसाइट के माध्यम से जशपुर के सभी पर्यटन स्थलों के लोकेशन, पहुँच मार्ग एवं अन्य आवश्यक सारी जानकारी ऑनलाइन लोगों को मिल सकेगी।

छत्तीसगढ़ लघु वनोपज प्रोसेसिंग के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये चयनित

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ तथा जगदलपुर ज़िले के वनधन विकास केंद्र बकावण्ड और कोरबा ज़िले के डोंगानाला के दो स्व-सहायता समूह को प्रतिष्ठित ग्रिड पुरस्कार हेतु ई.एस.जी. वर्ल्ड समिट में नामित एवं चयनित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ को यह पुरस्कार संधारणीय विकास, गरीबी उन्मूलन तथा महिला सशक्तीकरण की श्रेणियों में प्राप्त हुआ है।
- विजेताओं का चयन लगभग तीन माह चले तीन चरणों में कठोर परीक्षण मापदंडों पर प्रस्तावों के विश्लेषण के आधार पर किया गया।
- सिंगापुर के कार्प स्टेज तथा ई.एस.जी. रिसर्च फाउंडेशन का उद्देश्य ईएसजी मापदंड विकास के लक्ष्यों तथा प्रभावों को विस्तारित करना एवं संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा निर्धारित संधारणीय विकास लक्ष्यों की स्थापना है।
- इन पुरस्कारों के लिये 'संधारणीय विकास लक्ष्यों' की श्रेणियों के अनुसार, पूरे विश्व के व्यवसायियों से नामांकन प्राप्त किये गए थे।
- ई.एस.जी. ग्रिड पुरस्कार समारोह सिंगापुर में आगामी 22 और 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। इसमें भाग लेने विजेता स्व-सहायता समूहों की 2-2 महिला सदस्यों को सिंगापुर भेजा जाएगा।
- छत्तीसगढ़ से चयनित महिलाओं में डोंगानाला से सरोज पटेल तथा फूलबाई नेती और बकावण्ड से पद्मिनी बघेल तथा बेला बाई कश्यप शामिल हैं।
- ई.एस.जी. ग्रिड पुरस्कार समारोह में 150 देशों के प्रतिनिधि, पूरे विश्व के 200 से अधिक संस्थानों के एक्जीक्यूटिव, बड़े संस्थानों के प्रतिनिधि उद्यमी बैंक से निवेशक, समाजसेवी, सामाजिक संगठन, पर्यावरणविद् शासकीय तथा अन्य प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे।

नोट :

राज्य के सभी नगरीय निकायों में अगस्त में होगा कृष्ण कुंज का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

28 जून, 2022 को अपर मुख्य सचिव, वन एवं जलवायु परिवर्तन सुब्रत साहू ने राज्य के समस्त कलेक्टर तथा वनमंडलाधिकारी को पत्र द्वारा नगरीय निकायों में अगस्त में 'कृष्ण कुंज' के लोकार्पण के लिये सभी आवश्यक तैयारियों के संबंध में निर्देश दिये।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राज्य के नगरीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण कर 'कृष्ण कुंज' विकसित करने के संबंध में घोषणा की गई है। आगामी अगस्त माह में निर्धारित तिथि (कृष्ण जन्माष्टमी के दिन) को एक साथ 'कृष्ण कुंज' का लोकार्पण किया जाएगा।
- छत्तीसगढ़ के समस्त नगरीय निकायों में न्यूनतम एक एकड़ की भूमि में सांस्कृतिक महत्त्व के जीवन उपयोगी वृक्षों का रोपण करते हुए 'कृष्ण कुंज' विकसित किया जाएगा।
- इनमें आम, इमली, गंगा इमली, जामुन, बेर, गंगा बेर, शहतूत, तेंदू, चार, अनार, गूलर कैथा, कदम्ब, पीपल, नीम, बरगद, बबूल, पलाश अमरूद, सीताफल, बेल तथा आंवला प्रजाति के पौधे को रोपण हेतु शामिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ में मलेरिया संक्रमण की दर अब तक के सबसे न्यूनतम स्तर पर

चर्चा में क्यों ?

28 जून, 2022 को विशेष सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ सह राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि बस्तर के साथ-साथ समूचे छत्तीसगढ़ में मलेरिया संक्रमण की दर अब तक के सबसे न्यूनतम स्तर तक पहुँच चुकी है।

प्रमुख बिंदु

- प्रदेश में मलेरिया से सबसे ज़्यादा प्रभावित बस्तर संभाग में 'मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' के पहले पाँच चरणों का व्यापक असर दिखा है। पूरे बस्तर संभाग में प्रथम चरण में मलेरिया सकारात्मकता दर जहाँ 4.6 प्रतिशत दर्ज़ की गई थी। वहीं छठवें चरण में यह घटकर मात्र 0.21 ही रह गई है।
- 'मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' के जनवरी 2020 के प्रथम चरण और छठवें चरण को तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो बस्तर ज़िले में पहले चरण में मलेरिया सकारात्मकता दर 2.05 और छठवें चरण में 0.09 प्रतिशत है।
- इसी प्रकार बीजापुर में पहले चरण में 5.45 और छठवें चरण में 0.44 प्रतिशत, दंतेवाड़ा में 4.69 से 0.41 प्रतिशत, कांकेर में 0.35 से 0.02, कोंडागाँव में 1.30 से 0.05, सुकमा में 5.80 से 0.17 और नारायणपुर में 6.64 प्रतिशत से घटकर 1.90 प्रतिशत तक की कमी आ चुकी है।
- उल्लेखनीय है कि मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के प्रथम चरण में 64 हज़ार 646 मलेरिया केस दर्ज़ किये गए थे। वहीं छठवें चरण में केवल 7 हज़ार 170 केस पाए गए हैं, जिनका तुरंत इलाज़ किया जा रहा है।
- इस अभियान के छठवें चरण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा अब तक 7 लाख 6 हज़ार घरों में पहुँचकर 33 लाख 96 हज़ार 998 लोगों की मलेरिया जाँच की जा चुकी है। इस दौरान पॉजिटिव पाए गए मरीज़ों का मौके पर ही इलाज़ शुरू किया गया।
- पूर्व में 'मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान' के नाम से संचालित इस अभियान के प्रभाव से वहाँ एपीआई (Annual Parasite Incidence) यानि प्रति एक हज़ार की आबादी में सालाना मिलने वाले मलेरिया के मरीज़ों की संख्या में बड़ी कमी आई है।
- अभियान के अंतर्गत मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं द्वारा घने जंगलों और पहाड़ों से घिरे बस्तर के पहुँच विहीन, दुर्गम एवं दूरस्थ इलाकों में घर-घर पहुँचकर सभी लोगों की आरडी किट से मलेरिया की जाँच की गई। पॉजिटिव पाए गए लोगों को मितानिनों की निगरानी में दवाईयों की पूरी खुराक खिलाई गई।
- अभियान के दौरान हर घर और हर व्यक्ति की जाँच सुनिश्चित करने के लिये घरों में स्टीकर चस्पा कर जाँच किये गए लोगों के पैर के अंगूठे में निशान लगाकर मार्क़िंग की जाती है।

नोट :

- गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ से मलेरिया को खत्म करने के लिये 'मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' का छठवाँ चरण 17 मई से शुरू किया गया है। अभियान के असर को देखते हुए राज्य के 21 ज़िलों तक इसका विस्तार किया जा चुका है।
- इसके तहत छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचलों के साथ समूचे छत्तीसगढ़ में मलेरिया से बचाव हेतु जागरुकता फैलाने संबंधी गतिविधियों की कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है, जिसमें लोगों को मुख्यरूप से मच्छरदानी के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित करना, घरों के आस-पास जमा पानी में, नालियों मंक डीडीटी/जले हुए तेल का छिड़काव करना, स्वच्छता रखने व घरों के आस-पास मच्छर न पनपने के ज़रूरी उपाय बताए जा रहे हैं।

दृष्टि The Vision

नोट :